भाकृअनुप
ICAR

भाकृअनुप–एनबीएआईआर प्रायोजित मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

विषय

फसल कीटों के प्रबंधन हेतु जैव नियंत्रण कारकों के व्यापक उत्पादन की प्रोटोकॉल विधियाँ

18–22 जनवरी, 2027



पाठ्यक्रम निदेशक

डॉ. जी. शिवकुमार
प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. ऋचा वार्ष्णेय
वरिष्ठ वैज्ञानिक

पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. पी. श्रीराम कुमार, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. ए. कंदन, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. जगदीश पाटिल, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. के. सेल्वराज, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. यू. अमला, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. मंजुनाथ, सी., वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. मंजुनाथ, बी.एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. प्रभुलिंगा, टी., वरिष्ठ वैज्ञानिक

आयोजक

भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो
पी.बी. सं. 2491, एच.ए. फार्म पोस्ट, हेब्बाल, बेंगलुरु – 560 024

पृष्ठभूमि

भारत में कीटों, सूत्रकृमियों, पादप रोगों और खरपतवारों से होने वाली क्षति के कारण फसलों की संभावित उपज का लगभग 15–30% नष्ट हो जाता है, जो 30 मिलियन टन खाद्यान्न की हानि के बराबर है। ऐसी हानि से बचने के लिए रासायनिक पीड़कनाशकों का उपयोग करके पीड़कों का प्रबंधन प्रमुख रणनीति रही है। इनकी सफलता के बावजूद, संभावित खतरे या जोखिम सामने आए हैं, जिनका पर्यावरण और अन्य गैर-लक्षित जीवों पर पर्याप्त प्रभाव पड़ा है। रासायनिक पीड़कनाशकों के अंधाधुंध और अत्यधिक उपयोग से फसल पीड़कों के प्राकृतिक शत्रुओं और पादप रोगों के प्रतिरोधी जीवों का विनाश, उपज में पीड़कनाशी अवशेष, भूजल प्रदूषण तथा पीड़कों में पीड़कनाशी प्रतिरोध का विकास भी हुआ है।

रासायनिक पीड़कनाशकों से जुड़े खतरों को दूर करने के लिए जैव नियंत्रण कारकों का उपयोग तेजी से अपनाया जा रहा है। पीड़कों और रोगों के प्रबंधन हेतु परभक्षियों, परजीव्याभों, जीवाणुओं, कवकों, विषाणुओं, यीस्ट, माइकोराइजा, एक्टिनोमाइसीट्स, प्रोटोजोआ और सूत्रकृमियों सहित जैव नियंत्रण कारकों के उपयोग पर पर्याप्त ज्ञान संचित हुआ है। पारिस्थितिकी आधारित समेकित पीड़क प्रबंधन अथवा व्यापक क्षेत्र पीड़क प्रबंधन रणनीति के भाग के रूप में उपयोग किए जाने पर जैव नियंत्रण कारकों ने रासायनिक पीड़कनाशकों के कुछ व्यावहारिक विकल्प प्रदान किए हैं। जैव नियंत्रण कारकों और जैव पीड़कनाशकों में हाल में बढ़ी रुचि के अनेक कारण हैं, जिनमें परंपरागत संश्लेषित पीड़कनाशकों के प्रति प्रतिरोध का विकास, नए कीटनाशकों की खोज की दर में गिरावट, संश्लेषित पीड़कनाशकों से जुड़े खतरों के प्रति बढ़ती जन-जागरूकता, सूक्ष्मजीवी पीड़कनाशकों की परपोषी-विशिष्टता तथा सूक्ष्मजीवी जैव पीड़कनाशकों की उत्पादन एवं सूत्रीकरण तकनीक में सुधार शामिल हैं। रासायनिक कीटनाशकों की तुलना में विशिष्टता और सुरक्षा के कारण जैव नियंत्रण को शीघ्र सफलता मिली है। भारत में किसानों ने सूक्ष्मजीवी जैव नियंत्रण आधारित तकनीकों को अपनाकर बड़ी सफलताएँ प्राप्त की हैं।

भाकृअनुप–एनबीएआईआर तथा देश में जैव नियंत्रण कारकों के अभिलक्षणन और उत्पादन में काफी प्रगति हुई है। भाकृअनुप–एनबीएआईआर, पूर्ववर्ती जैविक नियंत्रण परियोजना निदेशालय (पीडीबीसी), ने कीटों, रोगों, खरपतवारों और सूत्रकृमियों के जैविक नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के साथ मिलकर इनके जैविक नियंत्रण विज्ञान में अत्यधिक योगदान दिया है। इसे देश में स्थूलजीवी एवं सूक्ष्मजीवी जैव नियंत्रण के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में माना जाता है। अतः "फसल कीटों के प्रबंधन हेतु जैव नियंत्रण कारकों के व्यापक उत्पादन की प्रोटोकॉल विधियाँ" विषय पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, जैविक नियंत्रण में कार्यरत तकनीकी अधिकारियों को कीट प्रबंधन हेतु जैव नियंत्रण कारकों के व्यापक संवर्धन की उन्नत तकनीकों के प्रति जागरूक करेगा तथा उनका ज्ञान अद्यतन करेगा।

उद्देश्य

- स्थूलजीवी एवं सूक्ष्मजीवी जैव नियंत्रण कारकों के व्यापक संवर्धन की तकनीकों पर उन्नत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- जैविक नियंत्रण क्षेत्र के विशेषज्ञों/संसाधन व्यक्तियों के साथ चर्चा और विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं एवं सूक्ष्मजीवी जैव नियंत्रण कारकों के उत्पादन हेतु परपोषी कीटों का व्यापक संवर्धन।
- परभक्षियों एवं परजीव्याभों का व्यापक संवर्धन।
- फसल कीटों के प्रबंधन हेतु कीट रोगजनक कवकों, कीट विषाणुओं, कीट रोगजनक जीवाणुओं और कीट रोगजनक सूत्रकृमियों के व्यापक संवर्धन की तकनीकें।

संकाय/संसाधन व्यक्ति

भाकृअनुप–एनबीएआईआर में फसल कीटों के जैविक नियंत्रण पर कार्यरत प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की सुदृढ़ टीम है, जो विशिष्ट व्याख्यान और प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

स्थान, तिथि एवं अवधि

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 18–22 जनवरी, 2027 तक भाकृअनुप–एनबीएआईआर, बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा।

लक्षित समूह

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शोधार्थियों और तकनीकी कार्मिकों (कीटविज्ञान, पादप रोगविज्ञान, कृषि सूक्ष्मजीवविज्ञान, सूत्रकृमिविज्ञान, पादप संरक्षण) के लिए खुला है। कीट परभक्षियों, परजीव्याभों और सूक्ष्मजीवों के व्यापक गुणन में गहरी रुचि रखने वालों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों की संख्या 15 तक सीमित होगी। अभ्यर्थियों का चयन छानबीन समिति द्वारा भाकृअनुप के प्रचलित दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा।

नामांकन

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु नामांकन संलग्न निर्धारित प्रपत्र में किया जा सकता है। भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, विश्वविद्यालय विभागों के प्रमुख/निदेशक तथा संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य अपने संबंधित संस्थान/विश्वविद्यालय से एक या दो उपयुक्त अभ्यर्थियों को नामांकित कर सकते हैं। अभ्यर्थी आवेदन की हार्ड कॉपी उचित माध्यम से डाक द्वारा भेज सकते हैं। कोई सॉफ्ट कॉपी स्वीकार नहीं की जाएगी। अभ्यर्थियों को संबंधित संस्थान से अनुमति एवं कार्यमुक्ति पत्र साथ लाना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

नामांकन प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि	4 दिसंबर, 2026
चयन की सूचना	11 दिसंबर, 2026
प्रतिभागियों द्वारा पुष्टि	16 दिसंबर, 2026
चयन होने पर प्रतीक्षा सूची के प्रतिभागियों को सूचना	21 दिसंबर, 2026

पंजीकरण शुल्क

भाकृअनुप दिशानिर्देशों के अनुसार प्रति प्रतिभागी रु. 50/- (केवल पचास रुपये) पंजीकरण शुल्क निर्धारित है, जिसका भुगतान ऑनलाइन अंतरण द्वारा किया जा सकता है।

स्कैन करें और भुगतान करें

लाभार्थी का नाम: NATIONAL BUREAU OF AGRICULTURAL INSECT RESOURCES
खाता संख्या: 10476392081
बैंक का नाम: भारतीय स्टेट बैंक
शाखा: हेब्बाल
खाते का प्रकार: चालू खाता
आईएफएससी कोड सं.: SBIN0001316
शाखा कोड सं.: 01316
यूपीआई आईडी: 9343142610A@SBI

यात्रा, भोजन एवं आवास

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता एवं आवास का व्यय प्रतिभागियों के संबंधित संस्थानों द्वारा वहन किया जाएगा। उपलब्धता के अधीन, आयोजक संस्थान भाकृअनुप–एनबीएआईआर के अतिथि गृह में प्रशिक्षुओं को भुगतान के आधार पर आवास उपलब्ध कराया जा सकता है। भाकृअनुप–एनबीएआईआर द्वारा कार्यदिवस का दोपहर का भोजन तथा सत्र के दौरान चाय/जलपान प्रदान किया जाएगा। स्थानीय प्रतिभागी भोजन एवं आवास सुविधाओं के पात्र नहीं होंगे; तथापि उन्हें कार्यदिवस का दोपहर का भोजन एवं जलपान प्रदान किया जाएगा।

संस्थान की जानकारी

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, राष्ट्रीय स्तर पर भाकृअनुप का नोडल संस्थान है, जो कीट संसाधनों के उपयोग से संबंधित सभी पहलुओं पर अनुसंधान एवं विकास करता है। इनमें फसल पीड़कों का जैविक नियंत्रण, प्रशिक्षण, सूचना, संग्रह, प्रौद्योगिकी प्रसार तथा राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं। एनबीएआईआर बेंगलुरु–बल्लारी राजमार्ग एनएच 7 पर, सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) के सामने, पशु चिकित्सा महाविद्यालय के निकट, हेब्बाल, बेंगलुरु में स्थित है। संस्थान कैंटोनमेंट रेलवे स्टेशन से 5 किमी, यशवंतपुर रेलवे स्टेशन से 4 किमी, बेंगलुरु सिटी जंक्शन से 8 किमी तथा केआईए हवाई अड्डे से 35 किमी दूर है। येलहंका, देवनहल्ली, दोड्डबल्लापुर एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाली बसें एनबीएआईआर के पास से गुजरती हैं। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि एनबीएआईआर पहुँचने के लिए सीबीआई बस स्टॉप पर उतरें।

पाठ्यक्रम निदेशक

डॉ. जी. शिवकुमार
प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. ऋचा वार्ष्णेय
वरिष्ठ वैज्ञानिक

पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. पी. श्रीराम कुमार, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. ए. कंदन, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. जगदीश पाटिल, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. के. सेल्वराज, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. यू. अमला, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. मंजुनाथ, सी., वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. मंजुनाथ, बी.एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. प्रभुलिंगा, टी., वरिष्ठ वैज्ञानिक

सभी आवेदन निम्न पते पर भेजें:

डॉ. जी. शिवकुमार
प्रधान वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम निदेशक
भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो (एनबीएआईआर)
पी.बी. सं. 2491, एच.ए. फार्म पोस्ट, हेब्बाल,
बेंगलुरु – 560 024
मोबाइल सं.: 8618056588
ईमेल: sivakumarg.nbaii@gmail.com
प्रतिलिपि: richavarshney84@gmail.com

अधिक जानकारी के लिए

निदेशक
भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो (एनबीएआईआर)
पी.बी. सं. 2491, एच.ए. फार्म पोस्ट, हेब्बाल, बेंगलुरु – 560 024
ईमेल: nbairdirector@gmail.com
www.nbair.res.in

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आवेदन प्रपत्र

(संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक को सीधे भेजा जाए)

भाकृअनुप–एनबीएआईआर मानव संसाधन विकास प्रायोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
"फसल कीटों के प्रबंधन हेतु जैव नियंत्रण कारकों के व्यापक उत्पादन की प्रोटोकॉल विधियाँ"
18–22 जनवरी, 2027

1. पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में): .....

2. पदनाम: .....

3. वर्तमान नियोक्ता एवं पता: .....

.....

4. पत्राचार का पता: .....

.....

5. दूरभाष सं.: ..... (कार्यालय) ..... (मोबाइल) .....

6. ईमेल: .....

7. जन्मतिथि एवं आयु: .....

8. लिंग: .....

9. वैवाहिक स्थिति: विवाहित/अविवाहित

10. शिक्षण/अनुसंधान/व्यावसायिक अनुभव: .....
(पिछले 5 वर्षों में धारित पद का उल्लेख करें) .....

11. शैक्षणिक विवरण:

परीक्षा	**विषय**	**उत्तीर्ण वर्ष**	**संस्थान/विश्वविद्यालय**	**ओजीपीए/%**
स्नातक उपाधि				
स्नातकोत्तर उपाधि				
पीएच.डी.				
अन्य प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा आदि				

12. आवेदन पंजीकरण हेतु रु. 50/- (केवल पचास रुपये) (अप्रतिदेय) की लेन-देन आईडी/यूटीआर सं. ..... दिनांक .....

आवेदक के हस्ताक्षर

अग्रेषण करने वाले संस्थान की अनुशंसा

डॉ./श्री/सुश्री ..... को भाकृअनुप–एनबीएआईआर, बेंगलुरु में 18–22 जनवरी, 2027 के दौरान "फसल कीटों के प्रबंधन हेतु जैव नियंत्रण कारकों के व्यापक उत्पादन की प्रोटोकॉल विधियाँ" विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नामांकित किया जाता है।

हस्ताक्षर, पदनाम एवं पता

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि दी गई जानकारी कार्यालय अभिलेख से प्रदान की गई है तथा सही पाई गई है।

प्रायोजक प्राधिकारी के हस्ताक्षर,
पदनाम, पता एवं कार्यालय की मुहर

अनुवादक: डॉ. दीपा भगत, श्री योगेश कस्वां, सुश्री शेफाली सेठ एवं श्री तुषार